खबर संक्षेप

सड़क न होने से मौतः आज़ादी के 78 साल बाद भी यही नियति?

सतना। आजादी के 78 साल बाद भी देश के कई हिस्सों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव एक कड़वी सच्चाई है। नागौद तहसील के द्वारी गांव में हाल ही में घटी एक हृदय विदारक घटना इस सच्चाई का भयावह चेहरा दिखाती है,जहाँ एक महिला ने सड़क न होने के कारण समय पर अस्पताल न पहुँच पाने से दम तोड़ दिया। यह घटना उन सभी दावों और समारोहों पर सवाल उठाती है जो हम आजादी के नाम पर हर साल देखते हैं। देशभर में तिरंगा यात्राएं निकाली जाती हैं,ऐतिहासिक स्थलों पर आजादी के तराने गाए जाते हैं,और संविधान बचाने की लड़ाई के नाम पर राजनीतिक रोटियां सेंकी जाती हैं। लेकिन द्वारी के लोग जिस दर्द से गुजर रहे हैं,वह इन सब से कहीं परे है। जनप्रतिनिधियों द्वारा सांत्वना के नाम पर बनाए जा रहे वीडियो रील या मीसा बंदियों की संतानों को मिल रहे सरकारी मलहम भी इस मौत की कीमत नहीं समझ सकते। यह घटना दर्शाती है कि कुछ लोगों के लिए आज़ादी की चमक अभी भी अंधेरी दरारों में छिपी हुई है। करोड़ों रुपये अमेरिका जैसी सड़कों के दावों पर खर्च किए जाते हैं, लेकिन अगर इसका एक छोटा सा हिस्सा भी द्वारी जैसी जगहों पर लगाया गया होता,तो शायद उस महिला की जान बच जाती। इस दुखद घटना के लिए जवाबदेही तय होनी चाहिए। सबसे पहले, ग्रामीणों द्वारा चुने गए सरपंच की जवाबदेही बनती है,जो गांव के भले के लिए प्रतिबद्ध था। दूसरा दोषी सचिव है,जो इस महत्वपूर्ण सड़क को ग्राम कार्य योजना में शामिल नहीं करवा सका। इसके बाद,ऊपर के अधिकारियों की एक पूरी श्रृंखला है जो इस स्थिति के लिए जिम्मेदार है। लेकिन सबसे बड़ी जवाब देही और जिम्मेदारी राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी की है। आप वर्तमान शासन का हिस्सा हैं,नीति-नियंता हैं। जब आप 24 घंटे लाल-हरी झंडी लगी गाड़ियों के बीच चलती हैं,तब आपकी विधानसभा क्षेत्र में हुई यह मौत सीधे तौर पर आपके नेतृत्व पर प्रश्नचिन्ह लगाती है।

नाबालिग की आत्महत्याः सौतेली माँ और बेटी पर प्रताड़ना का आरोप, परिजनों का हंगामा

सतना। सिविल लाइन थाना क्षेत्र स्थित पतेरी वार्ड नंबर 1 में एक नाबालिग ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने नाबालिग की सौतेली मां और उसकी बेटी पर प्रताड़ना का गंभीर आरोप लगाया है। घटना से आक्रोशित परिजनों ने शुरुआत में अंतिम संस्कार से इनकार करते हुए चक्का जाम करने की चेतावनी दी। हालांकि,सिविल लाइन थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह परिहार की समझाइश और हस्तक्षेप के बाद परिजन अंतिम संस्कार के लिए शव लेकर रवाना हो गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आनलाइन प्राप्त आवेदनों पर चर्चा

सतना। गर्भधारण प्रसव पूर्व निदान तकनीक (पीसी एण्ड पीएनडीटी) के तहत जिला सलाहकार समिति की आयोजित बैठक में आनलाइन प्राप्त 7 आवेदनों पर चर्चा की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एलके तिवारी की अध्यक्षता में संपन्न बैठक में जिला सलाहकार समिति के पदेन सदस्य जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास राजीव सिंह,जिला जनसम्पर्क अधिकारी राजेश सिंह,स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.अंजू सिंह, प्रभारी जिला अभियोजन अधिकारी वसीम शेख, समिति के सामाजिक सदस्य श्रीमती रेखा सिंह,अंजना तिवारी,प्रभात त्रिपाठी भी उपस्थित रहे।

भारी बारिश से सतना और चित्रकूट में जनजीवन अस्त-व्यस्त

जिले में सावन के आते ही बादल मेहरबान हो गए हैं और लगातार हो रही बारिश की वजह से जिले के कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात देखे जा रहे हैं। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी उफान पर है और उचेहरा-मैहर इलाके में भी टमस नदी का जलस्तर जबरदस्त तरीके से बढा हुआ है। इसी प्रकार छोटे नल और रपटे खतरे के निशान से ऊपर बह रहे हैं।

कई इलाकों में बाढ़ कलेक्टर और एसपी ने किया बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा,दिए आवश्यक निर्देश

चित्रकूट में मंदाकिनी उफान पर,रामघाट प्लेटफॉर्म डूबा

हरिभूमि न्यूज, सतना।

लगातार हो रही बारिश की वजह से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। भारी बारिश के कारण उत्पन्न स्थिति का जायजा लेने के लिए कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस और पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता चित्रकूट पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिए। कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने राघव प्रयाग घाट,रामघाट, पर्यटक होटल चौराहा,आरोग्य धाम,जानकी कुंड,पुरानी लंका सहित कई स्थानों का निरीक्षण किया,जो बैकवाटर से जलमग्न हो गए थे। उन्होंने मोटर बोट पर बैठकर आपदा राहत और बचाव के इंतजामों का अवलोकन किया। उन्होंने नगर पंचायत द्वारा निर्धारित आश्रय स्थल का भी निरीक्षण किया और वहां रुकने वाले लोगों के लिए पानी,भोजन और शयन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान विधायक चित्रकूट सुरेंद्र सिंह गहरवार और सहायक कलेक्टर अनिकेत शांडिल्य भी उपस्थित रहे। शुक्रवार पूरी रात हुई भीषण बारिश के बाद चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का जलस्तर बढ़ गया है,जिससे रामघाट का प्लेटफॉर्म पूरी तरह डूब गया है। मंदाकिनी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है,जिससे पुराना नगरपंचायत चित्रकूट से लेकर विश्रामघाट,बड़े हनुमान जी,बनवासी राम मंदिर के पास आचार्य जी महाराज की समाधि स्थल तक पूरा क्षेत्र जलमग्न हो गया है। चित्रकूट दर्शन करने आए कई श्रद्धालु बाढ़ के पानी में फंस गए,जिन्हें स्थानीय निवासियों की मदद से सुरक्षित बाहर निकाला गया। क्षेत्र में अभी भी बारिश जारी है और पानी का स्तर लगातार बढ़ रहा है,जिससे स्थिति और गंभीर होती जा रही है।

मैहर पुलिस कॉलोनी में जलभराव, जवानों के घरों में घुसा पानी

मैहर कोतवाली के पीछे स्थित पुलिस आवासीय कॉलोनी में भारी बारिश के कारण हालात चिंताजनक बने हुए हैं। जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण जवानों के घरों और वाहनों में बारिश का पानी घुस गया है। यह नजारा पुलिसकर्मियों की बेबसी को दर्शाता है,क्योंकि वे खुद ही अपने घरों में पानी घुसने से परेशान हैं। मैहर में मां शारदा मंदिर मार्ग और वन विभाग के कार्यालय में भी पानी भर गया है,जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है।

रैगांव में सड़क का अभाव,बीमार को चारपाई पर ले जाना पड़ा

रैगांव विधानसभा के नागौद तहसील के ग्राम द्वारी खुर्द गांव से एक शर्मनाक तस्वीर सामने आई है। आजादी के 77 साल बाद भी इस गांव के लोगों को चलने के लिए सड़क तक नसीब नहीं है। भारी बारिश के कारण स्थिति और भी बदतर हो गई है। हाल ही में एक बीमार व्यक्ति को चारपाई में ले जाकर मुख्य सड़क तक पहुंचाना पड़ा,जिससे ग्रामीण इलाकों में बुनियादी सुविधाओं की कमी साफ झलकती है।

मझगवां में पटनी गांव के पास चकरा नाला उफान पर

मझगवां थाना क्षेत्र के पटनी गांव के समीप चकरा नाला भारी बारिश के कारण उफान पर है। नाले में पानी का बहाव तेज होने के कारण खतरे की आशंका बनी हुई है। सूचना मिलते ही मझगवां थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई है और लोगों को नाले से दूर रहने तथा सतर्क रहने की सलाह दे रही है। पुलिस यह सुनिश्चित कर रही है कि कोई भी व्यक्ति उफनते नाले को पार करने का जोखिम न उठाए।

रामपुर बघेलान में हरिजन बस्ती में घुसा पानी

रामपुर बघेलान क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण ग्राम लामी करही की हरिजन बस्ती में देर रात लगभग 2 बजे पानी घुस गया। जलभराव की गंभीर स्थिति को देखते हुए ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही रात करीब ढाई बजे एसडीएम आर.एन. खरे राजस्व टीम के साथ मौके पर पहुंचे। प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए जेसीबी मशीन की मदद से पानी निकासी की व्यवस्था कराई,जिससे दर्जनों घरों में घुसे पानी को निकाला जा सका और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

सतना-पहाड़ी अंचल का संपर्क टूटा,मुख्य मार्ग जलमग्न

परसमनिया पहाड़ी अंचल के पटिहट के पास और उचेहरा धनिया बीट के पास रपटा उफान पर होने से आवागमन बाधित हो गया है। यह मार्ग शहर को पहाड़ी अंचल से जोड़ने वाला मुख्य मार्ग है। भारी बारिश के कारण रपटों पर पानी का तेज बहाव है,जिससे वाहनों की आवाजाही पूरी तरह रुक गई है। इस अवरोध के कारण पहाड़ी अंचल के लोगों को शहर से संपर्क साधने में भारी कठिनाई हो रही है।

उचेहरा में तालाब फूटा,घरों और मंदिर में घुसा पानी

उचेहरा में विजयसागर तालाब हत्ताबाबा के पास फूट गया है,जिससे आसपास के क्षेत्रों में पानी भर गया है। लोगों के घरों में पानी घुसने के साथ-साथ मंदिर भी जलमग्न हो गया है। इस घटना से स्थानीय निवासियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन से जल्द से जल्द स्थिति को नियंत्रित करने और प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने की अपील की जा रही है। ग्रामीण क्षेत्र में बारिश के कारण बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। बारिश के पूर्व हुए मेंटेनेंस कार्यों की पोल खुल गई है,क्योंकि जगह-जगह बिजली की लाइनों पर पेड़ गिरने से कल से बिजली बंद है। हालांकि,सुबह से विभाग की टीम मेंटेनेंस के काम में जुटी हुई है,लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित होने से जनजीवन प्रभावित हो रहा है।

टमस नदी का जलस्तर बढ़ा, सड़क संपर्क टूटा

मैहर के ग्राम अमिलिया में टमस नदी का जलस्तर काफी बढ़ गया है। नदी का पानी पुल के ऊपर से बह रहा है,जिसके कारण अमिलिया का उचेहरा से सड़क संपर्क टूट गया है। यह स्थिति क्षेत्र में आवागमन को बाधित कर रही है और लोगों को वैकल्पिक मार्गों का सहारा लेना पड़ रहा है। नदी में बढ़ते जलस्तर को देखते हुए स्थानीय लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

मुकुंदपुर के पास नदी उफान पर, सीधी-रीवा-सतना मार्ग प्रभावित

मुकुंदपुर के पास नदी का पानी उफान पर होने से सीधी,रीवा और सतना को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग प्रभावित हो गया है। नदी का जलस्तर बढ़ने से यातायात बाधित हो गया है, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन ने लोगों से वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने और अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है।

चित्रकूटः मानिकपुर से मध्य प्रदेश को जोड़ने वाले दोनों रास्ते बंद

चित्रकूट में भीषण बारिश के चलते मानिकपुर से मध्य प्रदेश को जोड़ने वाले दोनों महत्वपूर्ण अंतरराज्यीय संपर्क मार्ग बंद हो गए हैं। मानिकपुर से डभौरा संपर्क मार्ग वाया चमरोहा-मऊ गुरदरी पिछले 72 घंटों से और मानिकपुर से रीवा संपर्क मार्ग वाया धारकुंडी आश्रम पिछले कई घंटों से ठप्प है। कल्याणपुर के पास बना पुल पहली बारिश में ही ध्वस्त हो गया है। दोनों मार्गों पर सुरक्षा के लिहाज से पुलिस तैनात है,लेकिन फंसे राहगीरों के लिए खाने-पीने और प्राथमिक उपचार की कोई ठोस व्यवस्था नहीं है। बरदहा नदी के रौद्र रूप के कारण कई गांवों का शहर से पिछले 72 घंटों से संपर्क टूटा हुआ है,जिससे विद्युत और स्वास्थ्य व्यवस्था भी प्रभावित है। ग्रामीणों ने चमरौहा पुल और धौरहरा नाले पर पुल निर्माण की मांग की है। लोगों से अपील की गई है कि इन रास्तों का प्रयोग न करें।

रेलवे स्टेशन पर 'भगवान भरोसे' वाहनः 20 दिन से पार्किंग ठेका खत्म, चोरी की घटनाएं बढ़ीं

हरिभूमि न्यूज, सतना।

पश्चिम मध्य रेलवे सतना रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को इन दिनों अपने वाहनों की सुरक्षा के लिए भगवान भरोसे ही रहना पड़ रहा है। पिछले 20 दिनों से स्टेशन पर वाहन पार्किंग का ठेका खत्म हो चुका है,जिसके चलते पार्किंग स्थल पर कोई देखरेख नहीं है। इस अव्यवस्था का फायदा उठाकर रोजाना वाहन चोरी की घटनाएं सामने आ रही हैं,लेकिन रेलवे अधिकारी इस गंभीर समस्या के प्रति उदासीन बने हुए हैं। रेलवे स्टेशन पर पार्किंग ठेका खत्म होने के बाद से स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। पहले जहां पार्किंग में शुल्क लेकर वाहनों को व्यवस्थित और सुरक्षित खड़ा किया जाता था,वहीं अब यह जगह एक लावारिस मैदान में तब्दील हो गई है। यात्रियों के पास अपने वाहन खड़े करने का कोई सुरक्षित विकल्प नहीं है। मजबूरी में वे अपने दुपहिया या चारपहिया वाहन बिना किसी सुरक्षा गार्ड की निगरानी के खुले में छोड़ रहे हैं। इस अनियंत्रित

माहौल का सीधा फायदा चोर उठा रहे हैं। स्थानीय पुलिस सूत्रों के अनुसार,बीते 20 दिनों में स्टेशन परिसर से कई मोटरसाइकिलें और स्कूटर चोरी होने की शिकायतें दर्ज की जा चुकी हैं। इसके अलावा,वाहनों से सामान चोरी होने और तोड़फोड़ की घटनाएं भी लगातार बढ़ रही हैं। यात्रियों में अपने वाहनों की सुरक्षा को लेकर भारी चिंता और आक्रोश है। आश्चर्य की बात यह है कि इतनी गंभीर समस्या के बावजूद रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। यात्रियों और स्थानीय नागरिकों द्वारा कई बार शिकायतें दर्ज कराई गईं,लेकिन पार्किंग ठेके को फिर से शुरू करने या वैकल्पिक व्यवस्था करने को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। रेलवे प्रशासन की यह उदासीनता यात्रियों को भारी पड़ रही है। एक नियमित यात्री ने नाम न छापने की शर्त पर बताया,हमें समझ नहीं आता कि रेलवे यात्रियों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन इतना लापरवाह कैसे हो सकता है। यहां हर दिन सैकड़ों लोग आते हैं,और पार्किंग जैसी मूलभूत सुविधा का न होना बेहद निराशाजनक है। ऊपर से चोरी की घटनाओं का बढ़ना हमारी चिंता और बढ़ा रहा है। यह स्थिति न केवल यात्रियों के लिए असुविधाजनक है,बल्कि रेलवे की छवि को भी धूमिल कर रही है। यह देखना होगा कि रेलवे अधिकारी कब इस समस्या को गंभीरता से लेते हैं और यात्रियों को उनके वाहनों की सुरक्षा सुनिश्चित कराते हैं। तब तक,सतना रेलवे स्टेशन पर वाहन खड़ा करना वाकई 'भगवान भरोसे' ही है।

एकेएस में एक सप्ताह का फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन

सतना। 2जुलाई से 7जुलाई 2025 तक फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को आधुनिक एआई उपकरणों के साथ प्रशिक्षित करना था,ताकि वे शिक्षण, अधिगम और शोध के क्षेत्र में तकनीकी दक्षता प्राप्त कर सकें। कार्यक्रम का संचालन कंप्यूटर साइंस संकाय के डीन प्रो.अखिलेश ए.वाओ के मार्गदर्शन में और विनय कुमार द्विवेदी के समन्वयन में किया गया। एफडीपी का उद्घाटन प्रो.अखिलेश ए.वाऊ,डीन,फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, तथा एकेएस.विश्वविद्यालय के प्रोचांसलर अनंत कुमार सोनी के द्वारा संपन्न हुआ। सप्ताह भर चले इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। प्रत्येक दिन 3 से 4 विशेषज्ञ सत्र आयोजित किए गए,जिनमें शिक्षकों को नवीनतम एआई टूल्स की जानकारी दी गई और उनका व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। विशेषज्ञ वक्ताओं में डॉ.श्रवण प्यासी,डॉ.पिंकी शर्मा,शंकर बेरा,अमन आर्य,बृजेश सोनी ओमेंद्र तिवारी,अनुराग गर्ग,ज्योति द्विवेदी,स्मिता गुप्ता,अनुराग तिवारी, विनय कुमार द्विवेदी शामिल रहे। मुख्य विषय एवं टूल्स जिन पर सत्र हुए उनमें चैटजीपीटी,डीपसीक एआई,क्विलबॉट,नोटबुकएलएम,गामा एआई,स्लाइडजीओ,एडुटोर एआई,कैनवा,साइंसस्पेस,ग्रोक ए आई, गूगल एआई स्टूडियो,पेपरपाल,ग्रामरली आदि। समापन समारोह में विश्वविद्यालय के डायरेक्टर अमित सोनी एवं कुलपति प्रो.बी.ए.चोपाड़े ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए और कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की पहल शिक्षकों को तकनीकी रूप से सशक्त बनाती हैं। यह कार्यक्रम शिक्षकों के लिए एक ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक मंच सिद्ध हुआ,जिसमें उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नवीनतम प्रयोगों से अवगत होकर उन्हें अपने शिक्षण एवं अनुसंधान में समाहित करने की दिशा में कदम बढ़ाया।

सिंगल यूज़ प्लास्टिक के खिलाफ अभियान तेज, स्टेशन रोड पर कई दुकानों पर हुई कार्रवाई

सतना। पर्यावरण संरक्षण और प्लास्टिक अपशिष्ट नियंत्रण की दिशा में एक प्रभावी कदम उठाते हुए, आज अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) रघुराजनगर,राहुल सिलाडिया के निर्देश पर स्टेशन रोड पर सिंगल यूज़ प्लास्टिक के विरुद्ध व्यापक अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत,स्टेशन रोड स्थित विभिन्न व्यापारिक प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कई दुकानों में प्रतिबंधित प्लास्टिक सामग्री पाई गई,जिस पर तत्काल नियमानुसार कार्रवाई करते हुए सामग्री को जब्त कर लिया गया। इसके साथ ही,प्रचलित अधिनियमों और नियमों के अंतर्गत संबंधित व्यवसायियों पर जुर्माना भी लगाया गया। यह कार्यवाही राज्य शासन और राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण के निर्देशों के अनुपालन में की गई है,जिसका मुख्य उद्देश्य पर्यावरण को प्लास्टिक प्रदूषण से बचाना है। इस कार्रवाई में राहुल सिलाडिया एसडीएम रघुराजनगर,सौरभ मिश्रा तहसीलदार रघुराजनगर के साथ-साथ नगर निगम और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड,की टीमें भी शामिल रहीं।

सतना की बहनों ने सैनिकों को भेजी राखियां: 'आओ बहना एक राखी बनाएं' कार्यक्रम संपन्न

सतना।

देश के व्यापारियों के शीर्ष संगठन कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की सतना महिला शाखा ने सीमा पर तैनात वीर जवानों के लिए राखियां भेजी हैं। कैट महिला विंग की जिलाध्यक्ष मोनिका अवस्थी और महामंत्री पायल गर्ग ने बताया कि 9 अगस्त को रक्षा बंधन और भारत छोड़ो आंदोलन की ऐतिहासिक तिथि एक साथ पड़ रही है। इस अभियान के तहत,सतना की बहनों ने शनिवार,12 जुलाई को स्थानीय सर्किट हाउस के पास रोटरी क्लब भवन में एकत्रित होकर सामूहिक रूप से दोपहर 3 से 5 बजे तक

राखियां बनाईं। कार्यक्रम संयोजक सोनाली जैन और निधि गुप्ता ने इसकी जानकारी दी।कैट की वंदना गुप्ता और दीप्ति ओझा ने बताया कि उनकी इच्छा है कि हर सैनिक भाई के हाथ में भारतीय राखी हो। नगर पुलिस अधीक्षक देवेंद्र प्रताप सिंह ने इस देशभक्ति कार्यक्रम की सराहना की,जबकि समाजसेविका सोनिया जॉली ने खुद को भाग्यशाली बताया। इस अवसर पर बहनों ने देशभक्ति और भाई-बहन के पवित्र बंधन से जुड़े गीत गाए। कैट के प्रदेश सचिव अशोक दौलतानी ने बताया कि राष्ट्रीय नेतृत्व दिल्ली में 20 जुलाई को केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को 5000 राखियां सौंपेगा। इस कार्यक्रम में मोनिका अवस्थी,सोनाली जैन,पायल गर्ग सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

बारिस के चलते टेहरी नदी उफान पर, सिद्धनाथ मंदिर का मार्ग ठप्प

पन्ना। 12 घंटे चली लगातार बारिश से कई मार्ग बाधित हो गए और नदी नाले उफान मार कर पुल पुलिया रपटें के उपर से बह रहे हैं सिद्धनाथ अगस्त मुनी आश्रम में सभी रपटें ऊफान मार गये सिद्धनाथ मंदिर के पास त्रिहरि (टिहरी) नदी में बने पुल के ऊपर से पानी उफान मारते हुए मंदिर कि सीढियों तक पहुंच गया और मंदिर की शूरूआती तीन सीढ़ी डूब गई अब बारिश थम जाने के बाद अब धीरे-धीरे जल स्तर कमने लगा है। समाचार लिखे जाने तक अभी टिहरी नदी में बने पुल के ऊपर से पानी उफान मार रहा है बाढ़ उतरने के बाद ही पता चलेगा कि उक्त जगह के पुल और सड़क की क्या स्थिति है। बारिस के चलते टेहरी नदी में बना आवागमन मार्ग के लिये रिपटा जिससे आवागमन होता है आखिर हालात कहीं न कहीं मार्ग ठप्प होने को लेकर चर्चा में है।

सिद्धनाथ अगस्त मुनी आश्रम के प्रति शिव भक्तों की जिज्ञासा शिव के जयकारों से गूंज रहा शिवालय

श्रावण मास में शिव मंदिरों में उमड़ रहे श्रद्धालु

पन्ना। अगस्त्य मुनि का सिद्धनाथ आश्रम, पन्ना जिले के सलेहा इलाके में स्थित है और इसे भगवान राम और अगस्त्य मुनि के मिलन का ऐतिहासिक स्थल माना जाता है। रामायण में भी इस प्रसंग का उल्लेख है, जहां भगवान राम चित्रकूट से पन्ना के जंगलों में भटकते हुए अगस्त्य मुनि से मिलने सिद्धनाथ आश्रम आए थे। सिद्धनाथ ऐतिहासिक महत्त्व रखता है। सिद्धनाथ आश्रम 6वीं शताब्दी का माना जाता है और यहां का मंदिर अपनी अनोखी शिल्प कला के लिए प्रसिद्ध है। राम-अगस्त्य मुनी मिलन का साक्षी है है यह स्थल यह आश्रम भगवान राम और अगस्त्य मुनि के मिलन का गवाह है, जहां भगवान राम ने अगस्त्य मुनि से रावण वध के लिए मार्गदर्शन और दिव्यास्त्र प्राप्त किए थे भगवान राम के कई स्थान में पद चिन्ह है भगवान राम की प्रत्यंचा ताने दौड़ मुद्रा की अगस्त मुनी समय की प्रतिमा भी स्थापित है 108 कुंडों का मंदिर पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, यहां कभी 108 कुंडों वाला एक भव्य मंदिर था। सिद्धनाथ मंदिर आश्रम में सिद्धनाथ का मंदिर है, जो भगवान शिव का अवतार माना जाता है। अगस्त्य मुनि ने विंध्याचल पर्वत को झुकने के लिए कहा था ताकि वे दक्षिण दिशा में जा सकें, यह कथा भी इस आश्रम से जुड़ी है। राम वन गमन पथ यह आश्रम राम वन गमन पथ का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। सिद्धनाथ आश्रम न केवल एक ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल है, बल्कि यह भगवान राम और अगस्त्य मुनि के मिलन का भी साक्षी है। यह आश्रम पन्ना जिले के गौरवशाली इतिहास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है ऐसी मान्यता है कि अगस्त मुनि भगवान राम भक्त होने के साथ-साथ भगवान शिव के भी अनन्य उपासक थे। श्री राम और अगस्त्य मुनि की मिलन स्थली मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में स्थित सिद्धनाथ आश्रम वह स्थान है, जहां वनवास पर गए भगवान श्री राम की अगस्त्य मुनि से मुलाकात हुई थी। इस आश्रम में राम ने काफी समय बिताया था। मान्यता है कि भगवान राम ने यहां पर अगस्त मुनि से अस्त्र शस्त्र की शिक्षा ग्रहण की थी. इस ऐतिहासिक स्थान में दुर्लभ मूर्तियां और कलाकृतियों का आपार भंडार है, अगस्त ऋषि का आश्रम पन्ना पन्ना जिला में सलेहा से 9 कि.मी. अगस्त्य मुनि को यहीं श्रीराम ने किया था दंडवत प्रणाम, बदले में रावण वध का अगस्त मुनि के आश्रम में आज भी प्रभु श्रीराम के आगमन के चिन्ह मौजूद है। सिद्धनाथ आश्रम में वनवासी श्री राम की धनुष लिए हुये विशाल प्रतिमा विराजमान है। इसके साथ ही अगस्त मुनि के आश्रम राम में भक्त हनुमाजी की भी प्रचीन प्रतिमा स्थापित है जिले का अद्भुत सिद्धनाथ मदिर है अगस्त्य मुनि ने राम को क्या दिया था?

ऋषि अगस्त्य के 5 रहस्यमय स्थल

श्रीराम और अगस्त मुनि का मिलन स्थल सिद्धनाथ आश्रम मुनि का यह आश्रम अपने आप में हजारों सालों का इतिहास संजोए है। जानकारी के अनुसार भगवान राम चित्रकूट से चलकर अगस्त मुनि से मिलने सिद्धनाथ आश्रम आए थे। अगस्ता मुनी ने शिव लिंग की स्थापना की थी जिन्हें सिद्धनाथ नाम से जाना जाता है भगवान शिव के दर्शन करने निशदिन लोग आते हैं श्रावण मास मे शिव भक्त बड़ी संख्या में जला अभिषेक रूद्र अभिषेक भंडारे का आयोजन करते हैं सिद्धनाथ अगस्त मुनी आश्रम को प्रदेश सरकार ने पर्यटन क्षेत्र में जोड़कर जीर्ण उद्धार कर दिया है स्थान में अनेक सुविधा संसाधन हो गये है स्थान सुंदर एवं भव्य लगने लगा है अब दर्शनार्थियों के की स्थान के प्रति जिज्ञासा और बढ़ गई है जिसके कारण दर्शनार्थी की संख्या बढ़ गई है स्थान में कथा पंडाल भंडारा स्थल पार्किंग पेयजल मंदिर तक मार्ग सुविधा युक्त बनने से दर्शनार्थियों की संख्या में बहुत बढोतरी हुई एवं लोगों द्वारा स्थान के महत्व के कारण प्राचीन शिव मंदिर के प्रति जिज्ञासा और बढ़ गई है श्रावण मास में लोगों द्वारा कई तरह के धार्मिक आयोजन किए जाते हैं 11 तारीख से श्रावण मास चालू हो गया है जहां दर्शनार्थि बड़ी संख्या में पहुंचकर भगवान शिव को जला अभिषेक एवं भंडारे कर पुन्य लाभ अर्जित कर रहे हैं।

अजयगढ़-बरियरपुर कुर्मियान पुलिया ढही भारी बारिश ने मचाया कोहराम, आवागमन ठप

अजयगढ़। लोक निर्माण विभाग की सड़क कार्यपालन यंत्री से बार-बार मोबाइल पर जानने का किया गया प्रयास साहब का मोबाइल नहीं हुआ रिसीव आखिर संवदनशीलता जब विभाग प्रमुखों की इस हालात की हो तो फिर सड़कों के हालात का तो सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है जो बारिस के समय ही खुलने लगी पोल गुणवत्ता को लेकर पीडब्ल्यूडी की दास्तां कई जगह हालात को लेकर वैसे भी चर्चाओं में व्याप्त पन्ना जिले के अजयगढ़ में पिछले 24 घंटों से जारी मूसलाधार बारिश ने हाहाकार मचा दिया है। नदी-नाले उफान पर हैं, घरों में पानी घुस गया है, और कई रास्ते जलमग्न हो चुके हैं। इसी बीच एक बड़ी घटना ने सबका ध्यान खींचा हैकृअजयगढ़ से बरियरपुर कुर्मियान को जोड़ने वाली पुलिया तेज पानी के बहाव में ढह गई!आज सुबह करीब 7 बजे पानी के वेग ने पुलिया के एक हिस्से को तहस-नहस कर दिया, जिससे सड़क में 10 फीट गहरा गड्ढा बन गया। नतीजा? गड़डपुर, बरियरपुर, कुर्मियान, और रानीपुर के हजारों लोग पूरी तरह कट गए हैं। इस मार्ग पर आवागमन ठप हो चुका है, जिससे स्थानीय लोग परेशान हैं।पुलिस और राजस्व विभाग ने तुरंत एक्शन लेते हुए मार्ग के दोनों ओर लोहे की जालियां व झकडा लगाकर सुरक्षा सुनिश्चित की है, ताकि कोई हादसा न हो। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल मरम्मत की मांग की है, लेकिन बारिश का कहर देखते हुए राहत कार्यों में देरी की आशंका बनी हुई है।क्या जल्द बहाल होगा यह रास्ता, या ग्रामीणों को और इंतजार करना होगा? प्रशासन की ओर से अभी कोई ठोस जवाब नहीं मिला है। फिलहाल, यह क्षेत्र पानी की मार और टूटी पुलिया की त्रासदी से जूझ रहा है।

सड़कों पर आवारा पशुओं की बढ़ती संख्या बनी सिरदर्द, हादसे का अंदेशा, इससे पहले भी हो चुके कहीं हादसे

देवेंद्रनगर। शहर में आवारा पशुओं की बढ़ती संख्या लोगों के लिए सिरदर्द और जान को खतरा बन रही है। मैन रोड ही नहीं बल्कि हर गली मोहल्ले में आवारा पशुओं का आतंक है। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों ने आंखों पर पट्टी बांध रखी है। ऐसे में कभी किसी के साथ हादसा हुआ तो फिर जिम्मेदारों का जवाब देना भारी पड़ेगा। हालांकि जान की कोई कीमत नहीं होती है लेकिन हादसे पर मुआवजा राशि जिम्मेदार अधिकारियों की जेब से दिलाई जाए तो उनकी आंखें खुल सकती हैं।

सलेहा रोड में सबसे ज्यादा आवारा गोवंश

शहर में सबसे ज्यादा आवारा सांड, व कुत्ते हैं। इसके बाद गायों का नंबर आता है। शहर में कुछ लोगों ने गाय पाल रखी हैं, लेकिन अधिकांश लोग दूध निकालने के बाद गायों को डंडा मारकर सड़क पर इधर-उधर चारे के लिए मुंह मारने को छोड़ देते हैं। सड़क और सार्वजनिक स्थलों पर मंडराते आवारा पशु लोगों की जान के लिए खतरा बन गए हैं। सब्जी मंडी में सांडों का आतंक इस कदर है कि लोग सब्जी खरीदने के लिए आने से कतरा रहे होते हैं। इसी प्रकार गली मोहल्लों में भी आवारा पशुओं का जमावड़ा रहता है। आवारा पशु झुंड में रहते हैं जो किसी पर अटैक करें तो बचना मुश्किल है। दूसरी ओर कुत्तों का आंतक हर गली मोहल्ले में है। इधर लोगों का कहना है कि शहर में बढ़ते आवारा पशु लोगों की जान के लिए बड़ा खतरा है। आवारा पशुओं को पकड़कर गोशाला या जंगल में छोड़ने की ड्यूटी नगर परिषद की है लेकिन नगर परिषद की लापरवाही से शहर में आवारा जानवर दिन पे दिन बढ़ रहे हैं।

लगातार बारिश से सकरिया गुनौर मार्ग बन्द पानी ककरहटा पुल के ऊपर

गुनौर। लगातार हो रही बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त है पन्ना से ककरहटी सकरिया मार्ग बन्द रह अत्याधिक वर्षा से मुख्यालय से संपर्क टूटा चुका है लोगों को पन्ना जाने के लिए बराछ हो कर जाना पड़ रहा है जिससे काफी दिक्कत हो रही है स्कूलों की भी छुट्टी कर दी गई है अगर बारिश ऐसे ही लगा तार होती रही तो जन धन हानि की संभावना बड़ जाएगी।

निजामपुर में पुलिया नहीं बनने से आधा दर्जन पूरवा का गांव से संपर्क टूटा, बच्चों को स्कूल जाने में हो रही परेशानी

अजयगढ़। पन्ना जिले के अजयगढ़ जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत कीरतपुर के ग्राम निजामपुर के पास पुलिया नहीं बनने से बरसात के दौरान आधा दर्जन से अधिक पूरवा का संपर्क ग्राम निजामपुर से टूट चुका है। मार्ग में जल भराव के कारण लोगों को आने-जाने में परेशानी हो रही है सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों को बताई जा रही है लोगों के द्वारा बताया जा रहा है कि सरपंच से कई बार इस समस्या के बारे में बताया गया लेकिन अभी तक पुलिया निर्माण नहो हो रहा है, जिससे समस्या बरकरार है और कभी भी कोई घटना घट सकती है। इस संबंध में सरपंच प्रतिनिधि रामबाबू गौतम ने आज दिनांक 11 जुलाई को शाम 7 बजे बताया कि निजामपुर में बरसात के समय पानी आधिक गिरने से आवागमन बाधित होता है जिसमे कई पुर्वो का संपर्क टूट जाता है अधिकारियों को अवगत कराया गया जैसे ही फंड मिलता है कार्य किया जाएगा।

कलेक्टर ने शासकीय भूमि को अवैधानिक तरीके से निजी भूमि दर्ज करने पर पुनः शासकीय भूमि दर्ज करने आदेश किया पारित

खसरा एवं नक्शा की प्रति प्रस्तुत करने एवं कब्जा हटाने के निर्देश

आखिर कलेक्टर पन्ना सुरेश कुमार ने जहां शासकीय भूमि तो पुनः करने का लेकर हालात सामने आदेश करके ला दिये पर सवाल यह उठता है जिन कर्मचारियों की मिली भगत शासकीय भूमि निजी भूमि में दर्ज करने में भूमिका निभाई गई आखिर उन पर क्या होगी कार्यवाही

पन्ना। कलेक्टर सुरेश कुमार ने म.प्र. भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 165 (7ख) के उल्लंघन सहित बगैर सक्षम प्राधिकारी की अनुमति से बायपास रोड पन्ना स्थित सर्वे नंबर 2109/2/1 रकवा 0.576 में दर्ज श्रीकांत दीक्षित, सर्वे नंबर 2109/2/2 रकवा 1.200 में दर्ज न्यास डीबीसी विधि महाविद्यालय अध्यक्ष पुष्पेन्द्र सिंह एवं सर्वे नंबर 2109/2/3 रकवा 0.250 में दर्ज आशा दीक्षित की प्रश्नाधीन भूमि को शासकीय भूमि दर्ज करने का आदेश पारित किया है। इस संबंध में गत दिवस कलेक्टर न्यायालय में अनावेदकगणों को सुनवाई का अवसर भी प्रदान किया गया था, साथ ही जनसामान्य को भी नियत अवधि तक आपत्ति प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया था। इस दौरान यह भी पाया गया कि तत्समय पटवारी एवं राजस्व अधिकारी-कर्मचारियों की मिली भगत से खसरे में संशोधन किया गया था। उल्लेखनीय है कि प्रकरण में विवेचना एवं राजस्व अभिलेख के विश्लेषण से पाया गया कि खसरा वर्ष 1961 में प्रश्नाधीन भूमि सर्वे नंबर 2109/2 रकवा 5.00 एकड़ परमा गोंड़ सा. देह भूमि स्वामी के नाम अनधिकृत रूप से दर्ज हुई है। यदि वर्ष 1961-62 में परमा को भूमि शासन से बंटन में प्राप्त होने का तथ्य माना जाए, तब भी वर्ष 1999 में शासकीय भूमि को जिला कलेक्टर की विक्रय अनुमति के बगैर रामकिशुन को विक्रय किया गया। जिला कलेक्टर ने इस स्थिति में भूमि को म.प्र. शासन दर्ज करने के साथ संबंधित के नाम दर्ज भूमि के समस्त नामांतरण एवं अनधिकृत प्रविष्टि को भी निरस्त करने की कार्रवाई की है। साथ ही तहसीलदार पन्ना को अभिलेख में अमल कर खसरा और नक्शा की प्रति प्रस्तुत करने के लिए निर्देशित किया है। इसके अलावा भूमि पर अनावेदकगण का कब्जा होने की स्थिति में इसे हटाकर कब्जा प्राप्त करने के निर्देश भी दिए हैं।

थोड़ी सी बारिश और व्यवस्था लाचार, देवेंद्रनगर से जुड़े दर्जनों गांवों की जिंदगी हर साल मानसून की कैद में

देवेन्द्रनगर। मध्यप्रदेश के पन्ना जिले के राजापुर, मड़ई, गुखौर और आसपास के करीब दो दर्जन गांवों के लिए बारिश कोई उत्सव नहीं, एक आपदा बन जाती है। हर साल की तरह इस साल भी बारिश शुरू होते ही इन गांवों का मुख्यालय देवेंद्रनगर से संपर्क टूट गया है। कारण है कृ बड़बरा नदी पर बना निम्नस्तरीय और अतिप्राचीन रपटा, जो मामूली बारिश में ही जलमग्न हो जाता है। इसके कारण न सिर्फ स्कूली बच्चों की पढ़ाई बाधित होती है, बल्कि गंभीर मरीजों तक को समय पर अस्पताल नहीं पहुंचाया जा पाता। सरकार को चेताया गया था, लेकिन जवाब में आया था मौन करीब एक दशक पहले जब यह रपटा बना था, उसी समय ग्रामीणों ने इसकी ऊंचाई और मजबूती को लेकर चेताया था। लेकिन प्रशासन ने स्थायी पुल निर्माण की माँग को अनसुना कर दिया। आज परिणाम यह है कि जैसे ही 30 मिनट बारिश होती है, देवेंद्रनगर से लगभग 20 गांवों का संपर्क पूरी तरह टूट जाता है। हम बच्चे को अस्पताल नहीं ले जा सके, वह मर गई। सरपंच की पीड़ा बेटूलाल चौधरी, सरपंच राजापुर पंचायत ने यह कहते हुए प्रशासन को कठघरे में खड़ा किया कि बड़बरा-गुखौर रपटा के ऊपर पानी आ गया और दौवन टोला में पुलिया बनी नहीं, जिससे देवेंद्रनगर से संपर्क टूट गया। एक आदिवासी की बच्ची को समय पर अस्पताल नहीं पहुंचाया जा सका और उसकी मौत हो गई। ऐसे कई हादसे पहले भी हो चुके हैं। हमारी माँग है कि दौवन टोला में पुलिया और बड़बरा नदी पर पक्का पुल बनाया जाए। बच्चों की शिक्षा, महिलाओं की सुरक्षा और जीवन का हर पहलू प्रभावित इन गांवों में 10वीं तक ही स्कूल हैं। उच्च शिक्षा के लिए छात्रों, खासकर बालिकाओं को देवेंद्रनगर आना पड़ता है, लेकिन बारिश में यह यात्रा असंभव हो जाती है। महिला सुरक्षा भी खतरे में रहती है, क्योंकि मजबूरन जंगल-पगडंडियों के रास्ते तय करने पड़ते हैं। मरीजों को साइकिल, ठेले, या गोद में उठाकर कीचड़ और उफनते पानी से गुजरना पड़ता है। बरसात में जब बच्चे स्कूल जाते हैं, तो मां-बाप की सांसें तब तक अटकी रहती हैं जब तक वे लौट नहीं आते।स्थानीय नागरिक विकास का नाम सिर्फ विज्ञापनों और नारों में राजनीतिक स्तर पर देवेंद्रनगर क्षेत्र को भारतीय जनता पार्टी का मजबूत गढ़ माना जाता है। फिर भी, इस क्षेत्र की वर्षों पुरानी मूलभूत समस्याओं की अनदेखी निंदनीय है। सरकार उन कामों को ही करती है जिनका प्रदर्शन किया जा सके, जिनसे वोट बैंक चमकाया जा सके। ये गांव तो उनके एजेंडे में ही नहीं हैं।

प्रश्नों की बौछार, उत्तर का इंतजार

क्या एक आदिवासी बच्ची की मौत प्रशासन को झकझोरने के लिए काफी नहीं? क्या मानसून का मौसम हर साल सैकड़ों ग्रामीणों के लिए कैद का मौसम बना रहेगा? क्या राज्य सरकार बताएगी कि यह पुल आखिर कब बनेगा?

अंतिम निष्कर्ष -

यह रिपोर्ट एक बार फिर सवाल उठाती है कि क्या विकास सिर्फ शहरी चमक तक सीमित रह गया है? जब जनता चेताती रही और शासन सोता रहा, तो यह लोकतंत्र की संवेदनहीनता नहीं तो और क्या है?

मुद्दे की बात -

मूलभूत संरचनाओं की अनदेखी केवल आंकड़ों में नहीं, जिंदगियों में टूटन पैदा करती है। इस रिपोर्ट के माध्यम से प्रशासन और नीति-निर्माताओं से अपेक्षा की जाती है कि बड़बरा रपटा को स्थायी उच्च स्तरीय पुल में बदलने की योजना शीघ्र शुरू की जाए।

प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत सड़क बनी, तो पुल ना बनाकर पुलिया बना दी लगा आरोप बारिस में याद आ रही दास्तां

पन्ना। जिले में भारी बारिश के कारण कई गांवों का संपर्क टूट गया है, जिनमें ग्राम सुनहरा भी शामिल है। राजापुर नाले में आई बाढ़ के कारण पुलिया के ऊपर 5 से 6 फीट ऊंचाई तक पानी बह रहा है, जिससे सभी प्रकार के वाहनों और लोगों की आवाजाही बंद हो गई है। इस कारण लगभग 2000 की आबादी वाले ग्राम राजापुर, ग्राम सुनहरा और ग्राम कटरा का शहर से संपर्क कट गया है।स्कूल और कॉलेज के छात्र स्कूल नहीं जा पा रहे हैं और दुग्ध विक्रेताओं को शहर में दूध नहीं पहुंचा सके। लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिला किसान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष ग्राम सुनहरा निवासी शशिकांत दीक्षित ने बताया कि बरसात के समय राजापुर नाले में अक्सर अधिक बरसात होने पर सड़क मार्ग में बनी पुलिया उफान पर आ जाती है और आए दिन सड़क संपर्क तीन गांव का टूट जाता है। इस तरह की समस्या नहीं हो, इसके लिए ऊंचाई वाला पुल बनाया जाना चाहिए। किंतु जब प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत सड़क बनी, तो पुल ना बनाकर पुलिया बना दी गई है, जिससे बरसात भर परेशानी बनी रहती है। जिला प्रशासन के साथ सांसद एवं विधायक से ग्रामीणों की मांग है कि राजापुर नाले पर पुल का निर्माण कराया जाए, जिससे लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

अजयगढ़ में रफ्तार का कहर, स्कॉर्पियो ने बाइक सवारों को मारी जोरदार टक्कर, एक युवक का पैर टूटा, दूसरा घायल

अजयगढ़। अजयगढ़ थाना क्षेत्र के शांतिनगर में गुम्मी मील के पास बीती रात 11-12 जुलाई 2025 को एक दिल दहलाने वाला हादसा हुआ। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो (डच्21ब4900) ने बाइक सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों बुरी तरह घायल हो गए। घायलों की पहचान दारा सिंह कुशवाहा और ओमप्रकाश कुशवाहा (निवासी अजयगढ़) के रूप में हुई।दारा सिंह ने बताया कि वे अपने साथी ओमप्रकाश के साथ बाइक से शांतिनगर जा रहे थे, तभी सामने से आ रही स्कॉर्पियो ने गुम्मी मील के पास उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में ओमप्रकाश का पैर फ्रैक्चर हो गया, जबकि दारा सिंह को मामूली चोटें आईं। राहगीरों की सूचना पर 108 एम्बुलेंस ने तुरंत घायलों को अजयगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। ओमप्रकाश की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए स्कॉर्पियो को जब्त कर थाना परिसर में रखवाया है। घटना का पंचनामा तैयार कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। यह हादसा सड़क सुरक्षा और तेज रफ्तार वाहनों पर सवाल उठाता है। स्थानीय लोग इस व्यस्त इलाके में ट्रैफिक नियमों के सख्ती से पालन की मांग कर रहे हैं। उक्त जानकारी आज 12 जुलाई को सुबह 7 बजे प्राप्त हुई।

ग्रामीण अंचलों का मुख्य मार्गों से संपर्क कट गया, ठहर गया जनजीवन, रुक गई रफ्तार

झमाझम बारिश से नदी नाले उफान पर कई सालों का रिकॉर्ड टूटा

रनगुवां बांध का जलस्तर बढने के बाद प्रशासन ने एहतियातन उसके सभी 13 गेट खोल दिए हैं। इसके अलावा ग्रामीण अंचलों में मौजूद अन्य सभी छोटी नदियां और नाले भी उफान हैं।

छतरपुर।

सावन का महीना शुरू होते ही मानसून बुंदेलखड में पूरी तरह से सक्रिय हो गया है, और इंद्रदेवता भी मेहरबान है। पिछले 24 घण्टों से जिले में रह रहकर हो रही मूसलाधार बारिश के कारण नदी नाले उफान पर है। मौसम विभाग द्वारा आये दिन अलर्ट जारी जाता रहा, लेकिन मौसम विभाग का अलर्ट इस बार झूठा साबित हुआ। क्योंकि 24 घंटे में जितनी बारिश हुई है। उतनी बारिश कभी नही हुई और न ही ऐसा अलर्ट जारी किया था। पुराने लोग भी यही बता रहें है कि इतनी बारिश पहली बार देखी है। जिससे कई सालों का रिकार्ड टूट गया है। जिले के जो नदी नाले है बह पूरी तरह से उफान पर है। कई जगह आवागमन बंद हो चुका है। नदी नालों में जहां पर पुल के ऊपर से पानी बह रहा है, वहां आवागमन रोक दिया गया है। और सुरक्षा के लिए पुलिस कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है। मौसम विभाग से जानकारी मिली है कि पिछले 24 घंटे में छतरपुर जिले में 700 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई है। अब तक हुई 184 इंच बारिश, पिछले साल से ढाई गुना ज्यादा है आंकड़ा जिले की औसत वर्षा 1074.9 मिमी यानि 42.3 इंच है। गत वर्ष बारिश का आंकड़ा औसत आंकड़े के करीब पहुंच गया था। हालांकि इस वर्ष पिछले एक सप्ताह से अधिक समय से लगातार बारिश होने से जुलाई के पहले सप्ताह में ही आधे से ज्यादा आंकड़े को जिले के सभी विकासखण्डों ने छू लिया है। हालांकि लवकुशनगर और राजनगर में बारिश के आंकड़े पीछे चल रहे हैं। गत वर्ष अब तक कुल 70 इंच बारिश हुई थी लेकिन इस वर्ष 184.5 इंच बारिश हो चुकी है। छतरपुर में बीती रात से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण आंकड़ा करीब 7 इंच पहुंच गया है। कई दशकों बाद इस तरह की बारिश देखने को मिली है। भू अभिलेख कार्यालय के आंकड़ों के मुताबिक बिजावर में 5 इंच, गौरिहार में 4 इंच, नौगांव में करीब 4 इंच बारिश सिर्फ एक दिन में हुई है। बक्स्वाहा में 1.5 इंच, लवकुशनगर में 2.0 इंच और बड़ामलहरा में लगभग 2.5 इंच बारिश दर्ज की गई। सिर्फ एक दिन में पूरे जिले में 26 से 30 इंच बारिश दर्ज की गई है। 1 जून से 12 जुलाई तक औसतन 23 इंच बारिश रिकार्ड की गई है।

जिले की अधिकतर नदियां, नाले और बांधों के फाटक खोले गए

जिले की प्रमुख तीन नदी धसान, केन और उर्मिल नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। वहीं रनगुवां बांध का जलस्तर बढने के बाद प्रशासन ने एहतियातन उसके सभी 13 गेट खोल दिए हैं। इसके अलावा ग्रामीण अंचलों में मौजूद अन्य सभी छोटी नदियां और नाले भी उफान हैं। जिला मुख्यालय से करीब 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम पठापुर और ग्राम देरी के पहुंच मार्गों के ऊपर से उर्मिल नदी का पानी बह रहा है, जिससे आवागमन बंद है। इसी मार्ग पर स्थित कूडन्ताल धाम भी लोग नहीं जा पा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर सटई क्षेत्र के ग्राम झमटुली का नाला भी उफान पर आ गया है, जिसके चलते देवगांव, देवरा, बिजावर और अमानगंज को जोडने वाला मार्ग बंद हो गया है। राजनगर तहसील क्षेत्र में बमीठा-भुसौर गंगऊ बांध के बीच बहने वाली पुखराव नदी पर बना अस्थाई पुल भारी बारिश के कारण बह गया है और चार गांवों का आवागमन पूरी तरह ठप हो गया है। बताया गया है कि पुखराव नदी के अस्थाई पुल को केन-बेतवा लिंक परियोजना के निर्माण के लिए पुराने रिपटा को तोड़कर बनाया गया था। भारी बारिश के कारण यह पुल बह गया, जिससे खरयानी, पलकौंहा, ढोंढन सहित और अन्य गांवों के लोगों का संपर्क मुख्य सड़क से कट गया।

छतरपुर और टीकमगढ़ जिले की सीमा पर बहने वाली धसान नदी भी उफान पर है। इस नदी पर ईसानगर के समीप मौजूद पचेर घाट और नौगांव के समीप गरोली घाट पर जल स्तर पुल से कुछ इंच नीचे देखने को मिला। नदी के आसपास मौजूद बसे गांव और खेत पानी से लबालब भर गए हैं।

24 घंटे की बारिश से जिले के अधिकतर मार्ग प्रभावित हुए

लगातार हो रही बारिश के बाद शनिवार को जिले के विभिन्न मार्ग प्रभावित हुए। जिला मुख्यालय का सौंरा तालाब लबालब भरने के बाद इसका पानी निकालना पड़ा, जिससे तालाब के पास मौजूद गांव का पहुंच मार्ग प्रभावित रहा। मुख्य नगर पालिका अधिकारी माधुरी शर्मा, एई देवेंद्र धाकड़, इंजीनियर अंकित अजारिया, महेंद्र पटेल, नितेश चौरसिया ने कोतवाली टीआई अरविंद दांगी के साथ संकट मोचन तालाब, सौंरा तालाब, किशोर सागर तालाब सहित जलभराव वाले अन्य स्थानों का निरीक्षण किया। इसी तरह गढ़ीमलहरा क्षेत्र में सिंघाड़ी नदी के उफान पर आने से ग्राम पिड़पा का पहुंच मार्ग अवरुद्ध रहा। उर्मिल नदी के उफान पर आने से हतना-पठापुर मार्ग और देरी रोड अवरुद्ध रहा। ईशानगर क्षेत्र के बौंड़ा मार्ग पर मौजूद पुलिया क्षतिग्रस्त होने के बाद आवागमन बंद किया गया। राजनगर क्षेत्र के रनेह फॉल मार्ग पर स्थित एक छोटी नदी की पुलिया उफान पर आई जिससे यह मार्ग बंद किया गया, साथ ही स्थानीय अधिकारी-कर्मचारी भी मौके पर मौजूद रहे। इसके अलावा बमीठा क्षेत्र का रनगुवां-सिलौन मार्ग, चंद्रनगर-राजगढ़ मार्ग भी अवरुद्ध रहा। बक्सवाहा क्षेत्र के ग्राम बम्हौरी में पुलिया डूबने के बाद बैरीकेडिंग कराई गई और आवागमन को रोक दिया गया।

छतरपुर शहर के किशोर सागर तालाब में दोपहर के वक्त एक युवक के डूबने की घटना सामने आई। बताया गया है कि सागर रोड के परिहार मार्केट का रहने वाला सुरेंद्र कुमार पुत्र नाथूराम मिश्रा उम्र 40 वर्ष अपने चार पहिया वाहन से दोपहर 3 बजे किशोर सागर तालाब में नहाने आया था। सुरेन्द्र ने गाड़ी में कपड़े उतारकर तालाब में छलांग लगा दी और इसके बाद गहरे पानी में डूब गया। घटना की सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली थाना पुलिस और पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। सीएसपी अरुण कुमार सोनी ने बताया कि युवक को डूबे हुए कई घंटे हो चुके हैं लेकिन अभी तक शव नहीं मिला है। चूंकि एसडीआरएफ की टीम अन्य स्थानों पर व्यस्त हैं, जिस कारण से मौके पर नहीं पहुंच सकी हैं। शव की तलाश के लिए गोताखोरों की मदद ली जा रही है। गौरतलब है कि भारी बारिश के कारण तालाब का जलस्तर बढ़ा हुआ है, जिससे शव की खोज करने में परेशानी हो रही है।

जिला मुख्यालय का संकटमोचन तालाब पानी से लबालब भर गया है और तालाब के जलभराव ने यहां किए गए अतिक्रमण की पोल खोल दी है। तलाब भरने के बाद जो तस्वीर सामने आई है उससे पता चल रहा है कि लोगों ने तालाब की लगभग आधी जमीन पर अतिक्रमण कर लिया है। यह तस्वीर दिन भर सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी रही। लोगों ने प्रशासन से इस ओर ध्यान देने का आग्रह किया है।

खजुराहो अंडर ब्रिज के नीचे पानी में डूबी यात्री बस -

खजुराहो से बमीठा आने वाले मार्ग पर शनिवार को भारी बारिश के चलते जलभराव की स्थिति बन गई। रेल्वे क्रॉसिंग पर अंडरब्रिज के नीचे पानी भर जाने के बाद एक यात्री बस पूरी तरह से पानी में डूब गई। बताया जा रहा है कि बस में सवार सभी यात्री समय रहते सुरक्षित बाहर निकल गए, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

बमीठा थाना क्षेत्र के ग्राम झमटुली के पास से गुजरी बन्ने नदी के बहाव में एक सुअर पालक के सुअर बह गए। सुअर पालक मनप्यारे बंसल ने बताया कि उसके जानवर नदी के पास घूम रहे थे, अचानक नदी का जल स्तर बढ़ गया और सारे जानवर पानी के साथ बह गए। इसके अलावा नदी के किनारों पर मौजूद खेत भी पानी में समा गए हैं। ग्राम ओंटापुरवा के किसान सुरेश पटेल, वृंदावन पटेल, रामचरन अहिरवार आदि ने बताया कि उनके खेतों में करीब 8 फिट पानी भर गया है। गौरतलब है कि दो दिनों से हो रही बारिश के कारण झमटुली गांव के अलावा, रमपुरा, ओंटा पुरवा और सलैया गांव के किसानों की फसलें चौपट हो गई हैं। देर शाम इसी नदी में 5 लोगों के फंसने की जानकारी भी मिली है। बताया गया है कि दिदौनिया गांव के रहने वाले 5 ग्रामीण एक पेड़ पर चढ़े हुए हैं। सूचना मिलते ही बमीठा पुलिस सहित रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंच गए है।

अतिवृष्टि को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने जिले के सभी विकासखंडों में राजस्व अधिकारियों को लगातार निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि अत्यधिक बारिश के चलते जिले के कई मार्ग प्रभावित हैं, साथ ही विभिन्न पहुंच मार्गों के पुल पुलियों के ऊपर से पानी बह रहा है, ऐसी स्थिति में पैदल अथवा वाहन से जोखिम भरे रास्तों को पार न करें। उन्होंने कहा कि इस समय सावधानी ही सुरक्षा है। कलेक्टर के निर्देशन में अन्य अधिकारियों ने भी लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी। ऐसे मार्गों की बेरिकेडिंग की गई, जिनके ऊपर अथवा पुलिस के पास पानी का बहाव है। साथ ही सभी जगहों पर कोटवारों की ड्यूटी भी लगाई गई है। कलेक्टर के निर्देशन में एसडीएम, तहसीलदारों के साथ राजस्व अधिकारियों की टीम सतत निगरानी कर रही हैं। पुलिस, होमगार्ड और एसडीईआरएफ टीमों को भी अलर्ट मोड पर रखा गया है। जिला प्रशासन ने प्राकृतिक आपदा में फंसने पर बचाव या सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 07682-245376 जारी किया है और अपील की है कि अप्रिय स्थिति में तुरंत सूचना दें ताकि समय पर मदद पहुंच सके। वहीं पुलिस अधीक्षक अगम जैन के निर्देशन में पुलिस टीमें भी उफान पर बह रहीं नदियों के किनारे तैनात हैं, जो एनाउंसमेंट करके लोगों को सचेत कर रही हैं।

छतरपुर जिला अस्पताल में सर्पदंश के मामलों में वृद्धि देखी गई है,

बारिश के मौसम में बढ़ीं सर्पदंश की घटनाएं, जिला अस्पताल में भर्ती हुए दर्जनों

छतरपुर।

बारिश का मौसम शुरू होते ही सर्पदंश की घटनाएं बढ़ रही हैं। छतरपुर जिला अस्पताल में सर्पदंश के मामलों में वृद्धि देखी गई है, हालांकि यहां छतरपुर के साथ-साथ आसपास के जिलों जैसे पन्ना और टीकमगढ़ के मरीज भी उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। जिला अस्पताल में एंटी-वेनम इंजेक्शन सहित अन्य सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। चिकित्सकों ने बढ़ते मामलों को ध्यान में रखते हुए लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। पिछले 24 घंटों में सर्पदंश से ग्रसित आधा दर्जन से अधिक लोग जिला अस्पताल पहुंचे, जहां उनका इलाज जारी है।

छतरपुर जिले के गौरिहार की निवासी सुमन पत्नी प्रेमबाबू पाल उम्र 28 वर्ष को उनके घर पर सांप ने काट लिया। घटना के बाद उन्हें तुरंत छतरपुर जिला अस्पताल लाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। डॉक्टरों ने बताया कि समय पर अस्पताल पहुंचने के कारण उनकी स्थिति स्थिर है। परिजनों ने बताया कि सुमन घर के आंगन में थीं, तभी यह हादसा हुआ।

खजुराहो के टिकरी निवासी सुंदर लाल पुत्र मन्नी लाल आदिवासी उम्र 65 वर्ष को भी सर्प ने काटा है। परिजन उन्हें तुरंत स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र ले गए थे, जहां से उन्हें छतरपुर जिला अस्पताल रेफर किया गया। सुंदर लाल की स्थिति स्थिर है और उनकी निगरानी की जा रही है।

बिजावर क्षेत्र में पवन पर्वत हनुमान मंदिर के 51 वर्षीय पुजारी रामदास आठ्या को मंदिर से नीचे उतरते समय सांप ने पैर में काट लिया। घटना के बाद उन्हें तुरंत बिजावर अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद छतरपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में उनका उपचार चल रहा है और डॉक्टरों ने बताया कि समय पर उपचार मिलने से उनकी स्थिति में सुधार हो रहा है।

मातगुवां कस्बे के रहने वाले 21 वर्षीय करन पुत्र दशरथ यादव खेत में काम कर रहे थे तभी सांप ने उन्हें डस लिया। परिजन उन्हें तुरंत स्थानीय अस्पताल ले गए थे, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद छतरपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में एंटी-वेनम इंजेक्शन और अन्य दवाओं के साथ उनका उपचार चल रहा है।

पड़ोसी जिले पन्ना के अजयगढ़ क्षेत्र में बनहेरीकला गांव के रहने वाले 42 वर्षीय कुंजबिहारी पुत्र छोटेलाल यादव किसी काम से छतरपुर जिले के बछौन आए थे, जहां सांप ने उन्हें काट लिया। घटना के बाद उन्हें स्थानीय अस्पताल ले जाया गया और इसके बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में उनकी स्थिति पर नजर रखी जा रही है और एंटी-वेनम इंजेक्शन के साथ उपचार जारी है।

टीकमगढ़ जिले के देरी-कुड़ीला गांव की रहने वाले 10 वर्षीय पूनम आदिवासी घर के बाहर खेल रही थी, तभी सांप ने काट लिया। घटना के तुरंत बाद परिजन उसे छतरपुर जिला अस्पताल लाए। डॉक्टरों ने बताया कि पूनम को समय पर उपचार मिलने से उनकी स्थिति में सुधार हो रहा है।

जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने बताया कि बारिश के मौसम में सांप अपने बिलों से निकलकर सुरक्षित स्थानों की तलाश में घरों और खेतों में आ जाते हैं, जिससे सर्पदंश की घटनाएं बढ़ रही हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि सर्पदंश होने पर तुरंत नजदीकी अस्पताल जाएं और झाड़-फूंक जैसे अंधविश्वासों में समय न गंवाएं। जिला अस्पताल में पर्याप्त मात्रा में एंटी-वेनम इंजेक्शन उपलब्ध हैं, और समय पर उपचार से मरीज की जान बचाई जा सकती है। ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाने की भी आवश्यकता है ताकि लोग सर्पदंश के बाद त्वरित कार्रवाई करें।

जुलाई के आखिरी दिव्य दरबार के बाद बागेश्वर महाराज निकले 20 दिवसीय विदेश यात्रा पर

छतरपुर।

भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने और पूरी दुनिया में सनातन की अलग जगाने का संकल्प लेने वाले बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री रविवार से 20 दिवसीय विदेश यात्रा पर जा रहे हैं। शनिवार को जुलाई का आखिरी दिव्य दरबार लगाया गया। उधर गुरु पूर्णिमा महोत्सव के लिए गाजे बाजे के साथ शाही सवारी में मंदिर से लाई गई बालाजी और सन्यासी बाबा की चरण पादुकाओं को पुनः उसी शाही सवारी के साथ वापस मंदिर में पहुंचाया गया। विदेश यात्रा के दौरान हुए लंदन, ओमान और दुबई में सनातन प्रेमियों को हनुमंत कथा सुनाएंगे तथा यहां रह रहे भारतीयों और सनातन के प्रति अच्छा भाव रखने वालों को सनातन से जोडने का प्रयास करेंगे।

संतों की तपोभूमि बागेश्वर धाम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव का विराम हो गया। बालाजी और सन्यासी बाबा की पादुकाओं को पूरे सम्मान के साथ शाही सवारी में ले जाकर मंदिर में फिर से पहुंचाया गया। शनिवार को दिव्य दरबार लगाया गया जबकि बुधवार, गुरुवार और शुक्रवार देर रात तक गुरु पूर्णिमा महोत्सव के तहत लाखों लोगों को पादुका पूजन का अवसर मिला और महाराज श्री के दर्शन प्राप्त हुए। बागेश्वर धाम आने वाले श्रद्धालु अपने लाड़ले संत की एक झलक पाने को व्याकुल दिख रहे थे चाहे कड़ी धूप हो या आसमान से बरस रही बारिश हो, यहां के भक्तों को कोई भी विपरीत मौसम प्रभावित नहीं कर सकता। सनातन के प्रति अगाध श्रद्धा रखने वाले हर परिस्थिति में डटे रहते हैं। महाराष्ट्र सबको आशीर्वाद देते हुए सबसे भोजन, भंडारा आवश्यक रूप से लेने की बात कही। महाराज श्री 14 से 22 जुलाई तक लंदन की धरती में रहेंगे 24 से 28 जुलाई तक ओमान में और 29 से 31 जुलाई तक दुबई में हनुमंत कथा का रसपान कराएंगे। 20 दिवसीय यात्रा के बाद महाराज श्री तीन अगस्त को फिर से अपने धाम लौट आएंगे।

सहकारी समिति पड़वार के निधौली सेल्समैन ने रोजगार सहायक सचिव को 18 हितग्राहियों के नाम विलोपित करने दिये थे निर्देश

गौरिहार। जिला सहकारी बैंक शाखा गौरिहार के अंतर्गत सेवा सहकारी समिति पड़वार की निधौली से राशन का वितरण हर माह होता है। यहां 20 परिवारों की राशन पर्ची व 2 सैकड़ा लोगों के नाम अलग-अलग राशन पर्ची से गायब होने का मामला जब सामने आया और इसकी जांच पड़ताल करने के लिए टीम गठित हुई, तो पता चला कि निधौली राशन दुकान के सेल्समैन राजेन्द्र रिछारिया द्वारा 18 लोगों के नाम राशन पर्ची से विलोपित करने के लिए सचिव और रोजगार सहायक के वाटसअप पर दी गई थी। जबकि सचिव के पास आईडी और पासवर्ड रहता है। यह आईडी और पासवर्ड सचिव द्वारा दुकान संचालक को दी गई है और दुकान संचालक प्यारे लाल साहू स्वयं मनमर्जी से राशन पर्ची से नाम विलोपित करने का काम करता है। और बुराई के चलते सेल्समैन पर आरोप प्रत्यारोप मढ़े जाते हैं। सेल्समैन द्वारा जिन 10 लड़कियों की शादी हो गई है उनके नाम विलोपित करने के लिए स्वीकृति दी गई उनमें किरण अहिरवार, रोहिणी पाल, विद्या पाल, रोशनी कुशवाहा, सीता पाल, सीता प्रजापति, पुष्पा पाल, कल्पना पटेल, अनीता पटेल, उर्मिला अहिरवार शामिल हैं। इसके अलावा 6 मृत व्यक्तियों की सूची दी गई जिसमें रामभजन प्रजापति, बक्की प्रजापति, जागे कुशवाहा, भूपेन्द्र निगम, बृजरानी कुशवाहा और जो दो लोग यूपी के रहने वाले हैं उनमें वीरेन्द्र निगम, विष्णु निगम का नाम शामिल है। इसके अलावा सेल्समैन द्वारा न तो कोई सूची मौखिक रूप से और न ही लिखित रूप से दुकान संचालक प्यारे लाल साहू को दी गई है। सिर्फ सेल्समैन को बदनाम करने के लिए ग्रामीणों को उकसाकर इस तरह की शिकायतें कराई जा रही है जिनकी सच्चाई जांच में सामने आ रही है।

पानी-पानी हुआ पूरा रीवा शहर, मोहल्लों में आई बाढ़, लोगों के घरों में घुसा पानी, सावन की पहली बारिश ने खोल दी विकास की पोल, नदी-नाले उफान पर, सड़कों से लेकर घरों तक पसरा जल जमाव

रीवा।

जिले शुक्रवार को सावन की पहली बारिश ने पूरे रीवा शहर की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी। सुबह से शुरू हुई मूसलधार बारिश देर रात तक थमी नहीं, जिससे शहर के अधिकांश हिस्सों में जलभराव की स्थिति बन गई। शहर के विभिन्न वार्डों में हालत ऐसी हो गई कि लोगों के घरों में दो-दो फीट तक पानी घुस गया। मुख्य सड़कें दरिया में तब्दील हो गईं और निचले इलाके पूरी तरह जलमग्न हो गए। वही लगातार बारिश के चलते बीहर और बिछिया नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ा है, जिससे आसपास के इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। प्रशासन अलर्ट मोड पर है, कई कॉलोनियों में कीचड़ और गंदगी के ढेरनालियों की सफाई न होने से पानी सीधे घरों में घुसा वही लोगों का आरोप लगाते हुए कहा कि केवल बजट खर्च होता है, ज़मीन पर काम नहीं हुआ। बारिश से सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में सिरमौर चौराहा, नेहरू नगर, अमहिया, देकहा मोहल्ला, चोरहटा, गुड़ चौराहा, चिरहुला कॉलोनी, रसिया मोहल्ला, इंदिरा नगर, नरेंद्र नगर, शारदापुरम, निपनियां, पदमधर कॉलोनी, विकास कॉलोनी, और नेहरू बस्ती शामिल हैं। यहां गलियों में घुटनों से ऊपर पानी भर गया।नेहरू नगर में तो हर साल यही हाल होता है। बारिश का पानी सीधे घरों और दुकानों में घुस जाता है। इस बार भी वही हुआ। लोगों के घरों में रखा सामान भीग गया, खाने-पीने की चीजें खराब हो गईं और बिजली के उपकरण जल गए। देर रात घर में दो फुट तक पानी था। टीवी, फ्रिज और राशन सब भीग गया। बॉक्स देर रात नगर निगम कंट्रोल रूम पहुंचे महापौर, दिए राहत कार्यों के निर्देशशहर में शुक्रवार-शनिवार दरमियान देर रात हुई मूसलधार बारिश ने नगर निगम की तैयारियों की पोल खोल दी। तेज़ बारिश के चलते कई मोहल्लों और वार्डों में जलभराव की गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई। कई घरों में पानी घुस गया, जिससे लोगों का जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। नागरिकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक को रातभर जागकर समय गुज़ारना पड़ा। स्थिति की जानकारी मिलते ही महापौर अजय मिश्रा बाबा ने सक्रियता दिखाते हुए देर रात स्वयं नगर निगम कंट्रोल रूम पहुंचकर अधिकारियों के साथ हालात की समीक्षा की। उन्होंने तत्काल प्रभाव से राहत एवं बचाव कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। महापौर ने नगर निगम की टीम को निर्देशित किया कि जल निकासी की प्रक्रिया को तेज किया जाए और जिन घरों में पानी घुसा है, वहां पंप लगाकर पानी निकाला जाए। महापौर ने कंट्रोल रूम से ही संबंधित वार्डों के पार्षदों और ज़ोनल अधिकारियों से सीधे संपर्क कर मौके की स्थिति की जानकारी ली और आवश्यक संसाधन मुहैया कराने के आदेश दिए।बॉक्स अवैध प्लॉटिंग बनी बाढ़ की सबसे बड़ी वजह रीवा शहर में आई पहली ही बारिश ने नगर निगम और प्रशासन की तैयारियों की पोल खोलकर रख दी है। सड़कों पर घुटनों तक पानी, निचली बस्तियों में भरे जलभराव और जगह-जगह जाम हुए नाले इस बात की गवाही दे रहे हैं कि शहर की जल निकासी व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। लेकिन इस आपदा के पीछे की असली वजह कहीं और छुपी है शहर के चारों ओर तेजी से हो रही अवैध प्लॉटिंग और नालों पर हुआ अतिक्रमण। शहर के चारों ओर फैले भू-माफियाओं ने बिना अनुमति के कृषि भूमि को प्लॉटिंग कर कॉलोनियां खड़ी कर दी हैं। इन कॉलोनियों के निर्माण में सबसे बड़ा नुकसान हुआ है प्राकृतिक नालों और जल मार्गों का नदी और नालों की ओर जाने वाले पारंपरिक रास्तों को पाटकर वहां प्लॉट बना दिए गए हैं, जिससे बारिश का पानी शहर से बाहर निकल ही नहीं पा रहा। जिसके कारण पहले ही बारिश में शहर के सभी वार्डों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई है।बॉक्स 23 लोगों का सुरक्षित रेस्क्यूचोरहटा थाना क्षेत्र स्थित खैरा नई बस्ती पूरी तरह जलमग्न हो गई, यहां रहने वाले करीब 23 लोग अपने घरों में फंस गए स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एसडीआरएफ के प्लाटून कमांडर विकास पांडे अपनी टीम संग तत्काल खैरा नई बस्ती पहुंचे और रेस्क्यू अभियान शुरू किया. कड़ी मशक्कत के बाद टीम ने घरों में फंसे सभी 23 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला, एसडीआरएफ की टीम ने इस दौरान छोटे आवारा मवेशियों का भी रेस्क्यू किया।अधिकारियों के अनुसार, फिलहाल, खैरा नई बस्ती में स्थिति सामान्य है. लेकिन एसडीआरएफ की टीम को अलर्ट मोड पर रखा गया है. कलेक्टर प्रतिभा पाल और एसपी विवेक सिंह सहित नगर निगम के आला अधिकारी लगातार प्रभावित क्षेत्रों की निगरानी में जुटे हुए हैं, साथ ही बचाव दल भी लगातार लोगों से अपील कर रहा है कि किसी भी आपदा जैसी स्थिति में पुलिस, नगर निगम और संबंधित अधिकारियों को सूचना दें, ताकि समय रहते सहायता पहुंचाई जा सके।

खबर संक्षेप

जिले में अब तक 280.5 मिलीमीटर वर्षा दर्ज

जिले में 91.3 मिलीमीटर वर्षा से बढ़ा नदियों का जल स्तर

रीवा । जिले में एक जून से अब तक 280.5 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। जिले में 12 जुलाई को 91.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। लगातार वर्षा के कारण बीहर, टमस, बिछिया तथा अन्य नदियों के जल स्तर में तेजी से वृद्धि हुई। लगातार वर्षा के कारण कई निचली बस्तियों में जल भराव हो गया। सभी नदियाँ खतरे के निशान से नीचे बह रही हैं। जिले में 12 जुलाई को तहसील हुजूर में 205 मिलीमीटर तथा गुढ़ में 220 मिलीमीटर वर्षा के कारण बीहर एवं बिछिया नदियों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हुई। इस दिन सेमरिया में 48 मिलीमीटर, रायपुर कर्चुलियान में 65 मिलीमीटर, सिरमौर में 55 मिलीमीटर, त्योंथर में 20 मिलीमीटर, मनगवां में 95 मिलीमीटर तथा जवा में 22 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। इस संबंध में अधीक्षक भू-अभिलेख महेन्द्र श्रीवास्तव ने बताया कि अब तक तहसील हुजूर में 417.8 मिलीमीटर, रायपुर कर्चुलियान में 196.5 मिलीमीटर, गुढ़ में 550 मिलीमीटर, सिरमौर में 287.6 मिलीमीटर, त्योंथर में 97 मिलीमीटर, सेमरिया में 259 मिलीमीटर, मनगवां में 297 मिलीमीटर तथा जवा में 169 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज गयी। गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 94.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गयी थी।

मुख्यमंत्री महिला सशक्तिकरण योजना के तहत आवेदन आमंत्रित

रीवा। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विपत्तिग्रस्त महिलाओं के पुर्नवास के लिए मुख्यमंत्री महिला सशक्तिकरण योजना संचालित है। योजना के तहत विपत्तिग्रस्त, पीड़ित, कठिन परिस्थितियों में निवास कर रही महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और आर्थिक तथा सामाजिक उत्थान के लिए कौशल उन्नयन प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। प्रशिक्षण पाकर महिलाएं स्वयं के साथ-साथ परिवार का भी पोषण कर सकती हैं। प्रशिक्षण पर होने वाला पूर्ण व्यय महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा वहन किया जाएगा। इसमें प्रशिक्षण शुल्क, आवासीय व्यवस्था शुल्क, भोजन एवं पाँच सौ रुपए शिष्यवृत्ति शामिल है। जिले में योजना कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल के मार्गदर्शन में संचालित है। इस संबंध में जिला कार्यक्रम अधिकारी नयन सिंह ने बताया गया कि योजना के तहत निर्धारित लक्ष्य समूह अनुसार महिलाएं आवेदन कर सकती हैं। योजना के तहत पात्र महिलाएं आगामी 25 जुलाई तक आवेदन कर सकती हैं। योजना और आवेदन करने के संबंध में अन्य जानकारियाँ जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग तथा वन स्टॉप सेंटर के कार्यालय में कार्यालयीन समय में संपर्क कर प्राप्त की जा सकती हैं। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि बलात्कार से पीड़ित महिला या बालिका, दुर्व्यवपार से बचाई गई महिलाएँ, विधवा अथवा अनाथ महिलाएं जो गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करती हों, योजना में आवेदन करने के लिए पात्र हैं। इसके साथ-साथ एसिड अटैक विक्टिम, जेल से रिहा महिलाएँ, परित्यकता, तलाकशुदा, शासकीय एवं अशासकीय नारी निकेतन, आश्रय गृह, बालिका गृह, अनुरक्षण गृह, शॉर्ट स्टेहोम आदि गृहों में निवासरत महिलाएं भी योजना के तहत आवेदन कर सकती हैं। विपित्तग्रस्त बालिका अथवा महिलाएं, दहेज प्रताड़ति, अग्नि पीडित महिलाएं, बाल विवाह पीड़ति, सजायाफ्ता महिलाएं भी योजना के तहत आवेदन कर सकती हैं और प्रशिक्षण पाकर आत्मनिर्भर बन सकती हैं।

मऊगंज सिविल अस्पताल को मिला बच्चों के स्पेशलिस्ट, डॉ. मनीष शर्मा की हुई पदस्थापना

मऊगंज। जिले वासियों के लिए एक बड़ी राहत की खबर सामने आई है। सिविल अस्पताल मऊगंज में बाल एवं शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. मनीष शर्मा की पदस्थापना कर दी गई है। यह नियुक्ति लंबे समय से प्रतीक्षित थी, खासकर तब से जब अस्पताल में पूर्व में पदस्थ डॉक्टर मंसूरी के स्थानांतरण के बाद बच्चों के डॉक्टर की भारी कमी महसूस की जा रही थी। डॉ. मनीष शर्मा एक अनुभवी बाल रोग विशेषज्ञ हैं और उन्हें बच्चों के इलाज में विशेष दक्षता प्राप्त है। उनके पदभार ग्रहण करने से मऊगंज क्षेत्र के हजारों अभिभावकों को अब अपने बच्चों के इलाज के लिए रीवा या अन्य बड़े शहरों की ओर नहीं भागना पड़ेगा। इससे जहां समय की बचत होगी, वहीं आर्थिक रूप से भी लोगों को राहत मिलेगी।स्वास्थ्य विभाग के इस निर्णय का आम जनों ने स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि डॉ. शर्मा की सेवाओं से शिशु मृत्यु दर में कमी आएगी और बाल स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा।

रीवा सीधी हाइवे पर मिला बिहार के युवक का शव, दुर्घटना की आशंका

रीवा।

जिले के गुढ़ थाना क्षेत्र में हाइवे मार्ग पर सड़क के किनारे रक्त रंजित लाश मिलने से हड़कंप मच गया। यहां मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने सड़क किनारे लाश देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लेकर पीएम के अस्पताल भेज दिया। पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान उसकी जेब में मिले मोबाइल फोन की मदद से हुई, वह बिहार के थगडिया जिला स्थित गोवारी थाना क्षेत्र के ग्राम पकरेज का रहने वाला है और उसकी पहचान अमित पटेल के रूप में हुई है। बताया गया मृतक गुढ़ के इंडस्ट्रियल एरिया स्थित दिव्या आहार मिल में काम करता था और वही किराए के मकान में रहता था। पुलिस के मुताबिक प्रथम दृष्टया मामला सड़क दुर्घटना का प्रतीत हो रहा है। फिलहाल परिजनों को सूचना दी गई है और मौत का सही कारण पीएम रिपोर्ट आने बाद स्पष्ट हो सकेगा।

कलेक्टर ने जल भराव से प्रभावित क्षेत्रों तथा राहत शिविरों का किया निरीक्षण

जल प्रभाव से प्रभावितों का सर्वे करके तत्काल रिपोर्ट देने के निर्देश

रीवा ।

रीवा जिले में पिछले 24 घंटे में लगातार बारिश के कारण नदी-नालों के जल स्तर में तेजी से वृद्धि हुई है। जिले में 12 जुलाई को गुढ़ तहसील में 220 मिलीमीटर और हुजूर तहसील 205 मिलीमीटर वर्षा होने के कारण बीहर नदी का जल स्तर बढ़ गया है। रीवा में बीहर नदी दोपहर 3 बजे खतरे के निशान से 20 सेंटीमीटर नीचे बह रही थी। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर अधिकारियों को राहत और बचाव के संबंध में निर्देश दिए। कलेक्टर ने बीहर नदी के छोटी पुल, करहिया घाट, करहिया पुल तथा अन्य जगहों का दौरा किया। कलेक्टर ने जल भराव से प्रभावित व्यक्तियों के लिए गवर्मेंट स्कूल गुढ़ चौराहा में बनाए गए दो राहत केन्द्रों का निरीक्षण कर पीड़ितों से मुलाकात की। इसमें वार्ड क्रमांक 40 और 44 के नई बस्ती क्षेत्र के 26 परिवारों के 88 लोगों को रखा गया है। राहत केंद्र में प्रशासन तथा नगर निगम द्वारा पीड़ितों के लिए आवास, पानी, नाश्ता, उपचार की व्यवस्था की गई है। कलेक्टर ने जल भराव से पीड़ितों से राहत केन्द्र में दी गई सुविधाओं की जानकारी ली। कलेक्टर ने नगर निगम के अधिकारियों को नाश्ता, भोजन और पानी की समुचित व्यवस्था के निर्देश दिए। कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला को राहत केन्द्रों में उपचार दल तैनात करने के निर्देश दिए। गवर्मेंट स्कूल में नगर निगम के प्रभारी शहरी आजीविका परियोजना अभिमन्यु सिंह तथा उपायुक्त एसएम सिद्दीकी द्वारा पीड़ितों के लिए व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। कलेक्टर ने मौके पर उपस्थित जिला आपूर्ति अधिकारी कमलेश ताण्डेकर को जल भराव से पीड़ितों के लिए खाद्यान्न का वितरण कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने एसडीएम हुजूर वैशाली जैन को जल भराव से प्रभावित वार्ड क्रमांक 40 के घरों का आज ही सर्वे करके रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि सर्वे में यदि किसी तरह की हानि दर्ज होती है तो शासन के मापदण्डों के अनुसार राहत राशि का प्रकरण तत्काल दर्ज करके पीड़ितों को राहत राशि दें। कलेक्टर ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जिला स्तरीय बाढ़ नियंत्रण के कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने कहा कि कंट्रोल रूम में जिम्मेदार अधिकारी 24 घण्टे तैनात रहें। तहसीलों के कंट्रोल रूम जल संसाधन विभाग, बाणसागर बांध, बकिया तथा टमस बराज से लगातार सूचनाएं प्राप्त करते रहें। प्राकृतिक आपदा के समय में यदि कोई व्यक्ति मदद के लिए फोन करता है तो तत्काल संबंधित अधिकारी को सूचित करें। किसी भी गांव में जल भराव अथवा बाढ़ की सूचना मिलने पर तत्काल संबंधित क्षेत्र के जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, ग्राम पंचायत सचिव तथा पटवारी को सूचना दें। सूचनाएं देने में किसी भी तरह की देरी होने पर कार्यवाही की जाएगी। मैहर, सतना और अमरपाटन के कंट्रोल रूम से भी संपर्क में रहकर वर्षा की जानकारी नियमित रूप से प्राप्त करें। कलेक्टर ने नगर निगम में स्थापित कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। मौके पर उपस्थित कंट्रोल रूम प्रभारी मुरारी प्रसाद ने बताया कि कंट्रोल रूम में 24 घंटे अधिकारी और कर्मचारी तैनात रहते हैं। जल भराव से निपटने के लिए 12 जेसीबी मशीनें, एक पोकलेन मशीन, पानी निकालने के लिए चार पंप सहित राहत और बचाव की टीमें तैनात हैं। शहर में 19 स्थानों पर बाढ़ से प्रभावितों के लिए राहत शिविर बनाए गए हैं। इनमें से चार स्थानों गवर्मेंट स्कूल क्रमांक एक एवं दो, जगन्नाथ मंदिर तथा संस्कृत कालेज में जल भराव से प्रभावितों को ठहराया गया है। जिनमें नगर निगम द्वारा भोजन, नाश्ता, पानी, गद्दे, प्रकाश आदि की सुविधा निःशुल्क दी जा रही है। इनमें मेडिकल टीम भी तैनात है। नगर निगम की टीम के द्वारा सतत रूप से बाढ़ राहत और नियंत्रण का कार्य किया जा रहा है। आंशिक रूप से निपानिया का भी कुछ क्षेत्र जल भराव से प्रभावित है। इसके अतिरिक्त शहर में जहां भी जल भराव की समस्या की जानकारी मिली है नगर निगम की टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही की जा रही है। कलेक्टर ने निरीक्षण के समय उपस्थित एडीएम श्रीमती सपना त्रिपाठी तथा एसडीएम हुजूर वैशाली जैन को नदियों के जल स्तर में निगरानी तथा राहत और बचाव कार्य के संबंध में उचित प्रबंध के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिला कमाण्डेंट होमगार्ड मीनाक्षी सिंह को सभी दलों को तैयार रखने तथा त्योंथर क्षेत्र पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने यातायात प्रभारी तथा उप पुलिस अधीक्षक को निर्देश देते हुए कहा कि शहर के पुलों में अनावश्यक भीड़ न होने दें। लोगों को नदी के किनारों तथा पुलों से दूर रहने के लिए लगातार एनाउंसमेंट करें। निरीक्षण के समय संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री ने रानी तालाब क्षेत्र में जल भराव पीड़ितों से की भेंट

जल भराव से पीड़ितों की परेशानियों को तत्काल दूर करें

रीवा । रीवा जिले और शहर में लगातार बारिश होने से शहर के कई वार्डों में जल भराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने रानी तालाब क्षेत्र का भ्रमण कर जल भराव की स्थिति का जायजा लिया तथा पीड़ितों से भेंट की। उप मुख्यमंत्री ने पीड़ितों से कहा कि जल भराव की समस्या को दूर करने के लिए समुचित उपाय किए जाएंगे। नगर निगम द्वारा पीड़ितों के लिए 13 स्थानों पर राहत शिविर स्थापित कर दिए गए हैं। इनमें से चार शिविरों में वार्ड क्रमांक 40 और वार्ड क्रमांक 44 के पीड़ितों को रखा गया है। इनमें भोजन, पानी, उपचार आदि की पूरी सुविधा दी गई है। नगर निगम की टीम शहर भर में जल भराव को दूर करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। नगर निगम में भारी वर्षा और बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए कंट्रोल रूम बनाया गया है। जिसमें 24 घंटे अधिकारी और कर्मचारी तैनात हैं। वर्षा का जोर कम हो गया है। अब जल भराव की समस्या दूर हो जाएगी। बीहर नदी के जल स्तर में भी धीरे-धीरे कमी आ रही है। उप मुख्यमंत्री ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को जल भराव से प्रभावित क्षेत्रों का तत्काल सर्वे करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने नगर निगम के अधिकारियों को जल भराव की समस्या को दूर करने के लिए समुचित उपाय के निर्देश दिए।

ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार की मौके पर मौत, चोरहटा थाना क्षेत्र के चंद्रलोक होटल के समीप की घटना

रीवा। जिले चोरहटा थाना क्षेत्र अंतर्गत चंद्रलोक होटल के समीप ट्रेलर ट्रक ने बाइक सवार को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद ट्रेलर चालक बाइक को पहियों में फंसा कर कुछ दूर तक घसीटता लेकर चला गया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेते हुए मृतक के शव को पीएम के लिए अस्पताल में रखा है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक बीती रात्रि चोरहटा थाना क्षेत्र के चंद्रलोक होटल के समीप तेज रफ्तार ट्रेलर के चालक ने बाइक सवार अजय पटेल को टक्कर मार दी जिससे अजय सड़क पर जा गिरा और ट्रेलर ट्रक उसे कुचलता हुआ बाइक में फंसा कर कुछ दूर घसीटता लेकर चला गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए अस्पताल में रखा दिया है जबकि घटना करित करने वाले ट्रेलर ट्रक को जप्त कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

विद्यालय से लेकर आगनबाड़ी केंद्र तक में टपक रही छतें

गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य न होने से बना खतरा

मऊगंजः जिले में चल रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर अब गंभीर सवाल उठने लगे हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सिविल अस्पताल की हाल ही में बनी इमारत से पानी टपकने की शिकायतें सामने आई हैं। यही नहीं, अस्पताल परिसर में निर्माणाधीन अन्य बिल्डिंगों की स्थिति भी चिंताजनक बताई जा रही है।सूत्रों का कहना है कि ठेकेदारों और इंजीनियरों की मिलीभगत के चलते निर्माण कार्यों में भारी अनियमितताएं हो रही हैं। घटिया सामग्री और लापरवाहीपूर्ण निर्माण के चलते नवनिर्मित इमारतों में पानी टपकने, दीवारों में दरारें पड़ने और छतों के गिरने जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं।सिविल अस्पताल की छत से लगातार पानी टपक रहा है, जिससे मरीजों और स्टाफ को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसके बावजूद इंजीनियर और जिम्मेदार अधिकारी निरीक्षण के नाम पर केवल खानापूर्ति करते नजर आ रहे हैं।

सीएम राइज विद्यालयों की भी स्थिति खराब, देव तालाब में गिरा था छत का प्लास्टर

मऊगंज सीएम राइज विद्यालय में भी निर्माण कार्य को लेकर सवाल उठ रहे हैं। हाल ही में देवतालाब स्थित सीएम राइज विद्यालय में छत का हिस्सा गिरने से कई छात्र घायल हो गए थे। यह घटना निर्माण की गुणवत्ता पर बड़ा सवालिया निशान लगाती है। इसी तरह जिले की आंगनवाड़ी केंद्र पंचायत भवन विद्यालयो की छत से पानी टपकना आमबात हो चुकी है कुछ विद्यालय की बाउंड्री वाल गिर रही है और कुछ की गिरने की कगार में है किन्तु जिम्मेदार विभाग के द्वारा कोई उचित कदम नही उठाये जा रहे है कोई अप्रिय घटना होने मे ही प्रशासन जागेगा और ठेकेदार एंव इंजीनियर को आनन-फानन मे नोटिस देकर जबाव मगेगा और जांच दल गठित करके अपना पल्ला झाड़ लेगा।स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि सभी निर्माण कार्यों की स्वतंत्र जांच कराई जाए और दोषी ठेकेदारों एवं इंजीनियरों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

वर्षा प्रभावितों की सुरक्षा के लिए प्रशासन की टीम लगातार कर रही प्रयास

जिले में कई स्थानों में जल भराव की समस्या को किया गया दूर

रीवा । जिले में 11 जुलाई को दिन तथा रात में लगातार बारिश होने से कई क्षेत्रों में जल भराव की समस्या उत्पन्न हो गई। रीवा नगर निगम में घरों तथा निचली बस्तियों से जल भराव से निपटने के लिए नगर निगम की टीम लगातार प्रयास करती रही। ग्राम रौसर में एक घर में पानी भरने की सूचना मिलने पर जनपद तथा होमगार्ड कर्मचारियों ने पहुंचकर जल निकासी की व्यवस्था कराई। लगभग दो घंटों के प्रयासों के बाद जल भराव की समस्या दूर हुई। लगातार बारिश के कारण डभौरा में मकान क्षतिग्रस्त हो गया। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने एसडीएम तथा तहसीलदार को तत्काल क्षतिग्रस्त मकान का सर्वे करके राहत राशि का प्रकरण तैयार करने के निर्देश दिए। मनगवां तहसील में ग्राम नदहा में जल भराव की समस्या को दूर करने के लिए जनपद और राजस्व विभाग की टीम ने लगातार प्रयास किया। एसडीएम संजय जैन ने नदहा मोड़ तथा मेथौरी में पाइप लगाकर जल निकासी की व्यवस्था कराई। त्योंथर तहसील के ग्राम चंदई में तहसीलदार ने अतिक्रमण हटाकर जेसीबी से जल निकासी की व्यवस्था कराई। नायब तहसीलदार लालन सिंह ने जनपद और ग्राम पंचायत के कर्मचारियों के सहयोग से ग्राम मझियार में स्कूल परिसर तथा उसके सामने जल भराव की समस्या को दूर कराया। ग्राम पटना में जल भराव को दूर करने के लिए नायब तहसीलदार दिलीप श्रीवास्तव ने जेसीबी से कटाव कराकर जल निकासी कराई। ग्राम रौरा और खीरा में भी बस्तियों से जल भराव को नाली बनाकर दूर किया गया। ग्राम सिरखिनी, चोरगड़ी तथा मढ़ीकला में भी जल भराव की समस्या को दूर किया गया। राजस्व अधिकारी, पुलिस अधिकारी, जनपद तथा ग्राम पंचायत के कर्मचारी एवं होमगार्ड के जवान राहत और बचाव का कार्य तत्परता से कर रहे हैं। जल प्रपातों में भी ग्राम पंचायत तथा होमगार्ड के कर्मचारी तैनात करके लोगों को खतरनाक क्षेत्रों में न जाने के लिए सचेत किया जा रहा है। क्योटी जल प्रपात में जनपद पंचायत गंगेव और ग्राम पंचायत के कर्मचारियों द्वारा लगातार एनाउंसमेंट किया जा रहा है। जिले भर में अच्छी वर्षा तथा मैहर एवं सतना में वर्षा के कारण टमस नदी में भी पानी की आवक बढ़ गई है। बीहर बराज तथा बकिया बराज के 13 गेट आधी ऊंचाई तक खोलकर नियंत्रित रूप से पानी की निकासी की जा रही है। टमस और बीहर नदियों में अधिक मात्रा में पानी आने से त्योंथर क्षेत्र में कई स्थानों पर टमस नदी के जल स्तर में तेजी से वृद्धि हुई है। त्योंथर में टमस नदी का जल स्तर खतरे के निशान से 5 मीटर नीचे है। सितलहा पुल पर शाम 3 बजे से पानी जाने के कारण बैरियर लगाकर आवागमन बंद कर दिया गया है। एसडीएम पीयूष भट्ट ने बताया कि सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुल के दोनों होमगार्ड सैनिक तैनात कर दिए गए हैं। त्योंथर क्षेत्र के किसी भी गांव में अभी बाढ़ का खतरा नहीं है।

सीसीटीवी कैमरों की निगरानी भी नहीं रोक पाई चोरों को, स्कूल से लाखों का सामान पार, चाभियों से ताला खोल उड़ाया सामान

रीवा ।

शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में स्थित एक निजी स्कूल में हाई-प्रोफाइल चोरी की वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। घटना उस वक्त सामने आई जब शुक्रवार सुबह स्कूल खुलते ही कर्मचारियों ने ऑफिस रूम को अस्त-व्यस्त पाया। जांच में सामने आया कि चोरों ने ताला तोड़े बिना चाभी से प्रवेश किया और स्कूल से एसी, कंप्यूटर, टीवी, प्रिंटर समेत करीब ढाई लाख रुपए मूल्य का इलेक्ट्रॉनिक सामान चुरा लिया। सबसे हैरानी की बात यह रही कि जिस स्कूल में 17 सीसीटीवी कैमरे लगे थे, वहीं चोरों ने न सिर्फ कैमरों को उखाड़ दिया बल्कि रिकॉर्डिंग डिवाइस (डीवीआर) भी अपने साथ ले गए, जिससे फुटेज के जरिए उनकी पहचान संभव न हो सके। इस चतुराई से की गई वारदात ने यह संकेत भी दिया कि चोरों को स्कूल की आंतरिक व्यवस्था और सुरक्षा प्रणाली की पूरी जानकारी थी। यह वारदात ढेकहा क्षेत्र स्थित ब्राइट फ्यूचर एकेडमी हाई स्कूल की प्राइमरी शाखा में हुई, जहां फिलहाल ऊपरी मंजिल पर निर्माण कार्य जारी है। चोरी की रात स्कूल में कोई सुरक्षा गार्ड मौजूद नहीं था। वहीं, स्कूल प्रबंधन ने बताया कि संस्थान की तीन चाबियां हैं, जो विभिन्न जिम्मेदार व्यक्तियों के पास रहती हैं। इस कारण संदेह का दायरा सीमित हो गया है और पुलिस कुछ परिचित लोगों से पूछताछ कर रही है। मामले में पुलिस ने बताया कि अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया है ताकि तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर अपराधियों तक पहुंचा जा सके।